

28/10/25

वज्राय उपर। मूल वाद का विचारण को
युक्त है। इसलिये यह पत्रावली भी इसी
रूप पर ही जारी है। पत्रावली केवल
युक्त होने के लिये या वाद जारी हो
मूल वाद के लिये लिख रहे।

उपसर्ग अधिकारी
बहरीड़ (गो. नं. - बहरोड़)